HD-01

December - Examination 2015

B.A. I Year Examination

हिन्दी पद्य भाग–I (प्राचीन एवं माध्य काव्य)

Paper - HD-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

(खण्ड – अ) 10 x 2 = 20

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर, को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) पृथ्वीराज रासो के रचयिता का नाम लिखिए।

(ii) कबीर की प्रामाणिक रचना कौन–सी मानी जाती है ?

(iii) जायसी के गुरु का नाम लिखिए।

(iv) रामचरित् मानस किस भाषा में रचित है?

(v) सूरदास का दार्शनिक सिद्धांत किस मत पर आधारित है ?

(vi) 'बरवै नायिका भेद' रचना के रचयिता कौन हैं ?

(vii) बिहारी किस काव्यधारा के कवि हैं ?

(viii) रस के चार अवयव कौन–कौन से हैं ? नाम लिखिए।

(ix) कुण्डलिया छंद किन दो छंदों के योग से बना है ?

(x) चौपाई छंद के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं ?

(खण्ड – ब) 4 x 10 = 40

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) ''निर्गुण का आलम्बन निराकार है तो सगुण का साकार ।'' इस कथन के आधार पर भक्ति की निर्गुण एवं सगुण काव्यधारा में व्याप्त अंतर को स्पष्ट कीजिए।

3) आदिकालीन साहित्य की राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों का चित्रण कीजिए।

4) रासो काव्य परम्परा पर प्रकाश डालिए।

5) कबीर की सामाजिक चेतना को स्पष्ट कीजिए।

6) तुलसीदास की भक्ति भावना को स्पष्ट कीजिए।

7) 'मीरा की भक्ति माधुर्यभाव की भक्ति है।' स्पष्ट कीजिए।

8) रसरवान के काव्य के महत्व पर प्रकाश डालिए।

9) प्रस्तुत पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

मैया मोरी मैं नहि माखन खायो ।
ख्याल परैं ये सखा सबै मिलि मेरे मुख लपटायौ ।।
देखि तु हि सींके पर भाजव ऊँचैं धरि लटकायौ ।
हौं जु कहत नान्हे कर अपने, छींका केहि विधि पायौ ।
मुख दधि पोंछि, बुद्धि इक कीन्ही, दोना पीठि दुरायौ।
डारि सांटि, मुसकाय जसोदा, स्यामहिं कंठ लगायौ ।
बाल–विनोद मोद न मोहयो, भक्ति प्रताप दिखायो।
सूरदास जसुमत को यह सुख, सिव बिरंचि नहिं पायो।।

(खण्ड – स) 2 x 20 = 40

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से किंन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) रहीम के काव्य के भाव पक्ष और कला पक्ष का विवेचन कीजिए।

11) ''बिहारी ने अपने काव्य में भक्ति, नीति और श्रृंगार की त्रिवेणी बहायी है। स्पष्ट कीजिए।

12) रीतिकाल की सामान्य परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

13) शब्द शक्ति किसे कहते हैं ? उसके प्रकारों को सविस्तार समझाइए।